

अहाईसवाँ पाठ गधा और सियार (चित्रकथा 2)



1. गधा और सियार में अच्छी मित्रता थी। वे दोनों एक साथ रहते, एक साथ भोजन की खोज में निकलते।



2. चाँदनी रात थी, दोनों भोजन की खोज में निकले।







5. पेट भर ककड़ी खाने के बाद दोनों खुश हुए। सियार साधारण खुशी को महत्त्व नहीं देता था, वह चुप रहा; लेकिन गधा चुप नहीं रह सका।



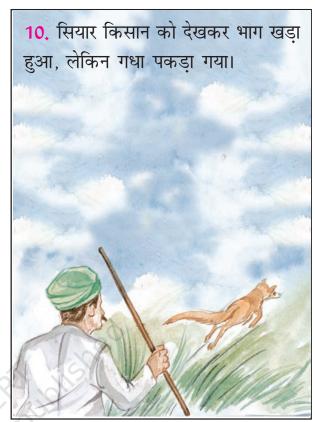
































अभ्यास

1. नीचे दिए गए कथन किसके हैं?

- 1.अब गाना गाने का मन हो रहा है।
- 2. जो लोग खाने के बाद गाते नहीं, वे लोग अच्छे नहीं होते।
- 3. धैर्य के साथ रहकर उचित समय को पहचानने की बुद्धि तुझमें नहीं है।
- 4.खुशी को भोजन की तरह पचाना आवश्यक है।

2. चित्रकथा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो

- 1. सियार ने गधे को गाना गाने से मना क्यों किया?
- 2. ककड़ी खाने के बाद गाना गाने की गलती गधे ने क्यों की?
- 3. गधे ने कष्ट में पड़कर सियार से कौन-सी बुद्धिमानी सीखी?

